Sanskrit September Month class-5

सप्तमःपाठः

'प्रथम-पुरुषः' तीनों लिंगों में

शब्दार्थाः

- अश्वौ - दो घोड़े
- महिले - दो महिलाएँ
- नृत्यतः - दो नाचती है
- प्रवहति - बढती है
- स्तः - हैं
- अजाः - बकरियाँ
- गृहाणि - अनेक घर
- मयूराः - अनेक मोर
- विकसति - खिलता है
- चक्रम - पहिया
- सन्ति - अनेक है
- भ्रमति - घूमता है

पाठ का परिचय

संसार के सभी जीवों तथा वस्तुओं को प्रथम पुरुष माना गया है,परन्तु इनको तीन लिंगो में विभाजित किया गया है। दुसरे शब्दों में जिसके बारे में कहा जाए ,उसे प्रथम पुरुष कहा जाता है।

संसार के प्राणियों तथा वस्तुओं के लिए नीचे दिए गए सर्वनामों का प्रयोग होता है।

		एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
1.	पुल्लिंग शब्द–	बालकः	बालकौ	बालकाः
	सार्वनामिक प्रयोग–	सः	तौ	ते
		(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
2.	स्त्रीलिंग शब्द–	बालिका	बालिके	बालिकाः
	सार्वनामिक प्रयोग–	सा	ते	ताः
		(वह)	(वे दोनों)	(वे सब)
3.	नपुंसकलिंग–	पुस्तकम्	पुस्तके	पुस्तकानि
	सार्वनामिक प्रयोग–	तत् (वह)	ते (वे दो)	तानि (वे सब)

अभ्यासकार्यम

प्र–1 एकपदेन उत्तरत–

जैसे कौ धावतः - अश्वौ

1- के नृत्यति? - मयूराः

2- काः गायन्ति? - कोकिलाः

3- किम विकसति? - कमलम

4- कौ गर्जतः? - सिंहौ

5- काः चरन्ति? - अजाः

6- के पततः ? - पत्रे

प्र-2 उचित कतृपदेन रिक्तस्थानानि पूरयत।

1- -------- पठति। (सा, ते, ताः)

2- ------- आगच्छन्ति। (सः, तौ, त)

3- ------- भ्रमति। (तत, ते, तानि)

4- ------- सन्ति। (तानि, तत)

5- ------- पततः। (तत, त, तानि)

6- ------- गायन्ति। (ताः, सा, त)

7- ------- प्रवहित। (सा, ते, ताः)

8- ------- धावतः। (सः, तौ, त)

9- ------- नृत्यतः। (महिल, महिलाः)

10- ------- स्तः। (नेत्राणि, नेत्रे)

11- ------- धावन्ति। (मृगः, मृगाः)

12- ------- चरति। (अजा, अजे)

प्र-3 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं 'आम' अशुद्धं 'न' लिखत।

1- मयूरा नृत्यन्ति। (आम)

2- तौ धावति। (आम)

3- तत भ्रमति। (आम)

4- ताः गायतः। (न)

5- गृहाणि सन्ति। (आम)

6- पत्रे पतन्ति। (न)

7- सः पठतः। (न)

8- कोकिलाः गायति। (न)

9- तौ गर्जतः। (आम)

10- अजाः चरन्ति। (आम)

प्रवृत्ति

कोई पाँच शब्द को तीन लिंगो में विभाजित करो।

दशरथ मांझी (पठनाय

जानें पहाड़ तोड़ने वाले शख्स दशरथ मांझी के बारे में

दशरथ मांझी, एक ऐसा नाम जो इंसानी जज़्बे और जुनून की मिसाल है. वो दीवानगी, जो प्रेम की खातिर ज़िद में बदली और तब तक चैन से नहीं बैठी, जब तक कि पहाड़ का सीना चीर दिया. जानें मांझी के बारे में:

जिसने रास्ता रोका, उसे ही काट दिया:

बिहार में गया के करीब गहलौर गांव में दशरथ मांझी के माउंटन मैन बनने का सफर उनकी पत्नी का ज़िक्र किए बिना अधूरा है. गहलौर और अस्पताल के बीच खड़े जिद्दी पहाड़ की वजह से साल 1959 में उनकी बीवी फाल्गुनी देवी को वक़्त पर इलाज नहीं मिल सका और वो चल बसीं. यहीं से शुरू हुआ दशरथ मांझी का इंतकाम.

22 साल की मेहनतः

पत्नी के चले जाने के गम से टूटे दशरथ मांझी ने अपनी सारी ताकत बटोरी और पहाड़ के सीने पर वार करने का फैसला किया. लेकिन यह आसान नहीं था. शुरुआत में उन्हें पागल तक कहा गया. दशरथ मांझी ने बताया था, 'गांववालों ने शुरू में कहा कि मैं पागल हो गया हूं, लेकिन उनके तानों ने मेरा हौसला और बढ़ा दिया'.

अकेला शख़्स पहाड़ भी फोड़ सकता है!

साल 1960 से 1982 के बीच दिन-रात दशरथ मांझी के दिलो-दिमाग में एक ही चीज़ ने कब्ज़ा कर रखा था. पहाड़ से अपनी पत्नी की मौत का बदला लेना. और 22 साल जारी रहे जुनून ने अपना नतीजा दिखाया और पहाड़ ने मांझी से हार मानकर 360 फुट लंबा, 25 फुट गहरा और 30 फुट चौड़ा रास्ता दे दिया

दुनिया से चले गए लेकिन यादों से नहीं!

दशरथ मांझी के गहलौर पहाड़ का सीना चीरने से गया के अतरी और वज़ीरगंज ब्लॉक का फासला 80 किलोमीटर से घटकर 13 किलोमीटर रह गया. केतन मेहता ने उन्हें गरीबों का शाहजहां करार दिया. साल 2007 में जब 73 बरस की उम्र में वो जब दुनिया छोड़ गए, तो पीछे रह गई पहाड़ पर लिखी उनकी वो कहानी, जो आने वाली कई पीढ़ियों को सबक सिखाती रहेगी.

Sanskrit October Month class-5

अष्ठमःपाठः

'मध्यम-पुरुषः' तीनों लिंगों में

शब्दार्थाः

- असि - तुम हो
- स्थः - तुम दो हो
- स्थ - तुम सब हो
- त्वम - तुम
- युवाम - तुम दो
- यूयम - तुम सब
- नृत्यसि - नाचते हो
- कूर्दथः - कूदते हो
- पाठयसि - पढ़ती हो
- तरथ - तैरते हो
- मृगौ - दो हिरण
- गजौ - दो हाथी
- सैनिकाः - सैनिक
- रक्षथः - रक्षा करते हो
- दूरदर्शनम - दूरदर्शन
- धावथः - दौड़ते हो
- गयिकाः - गायिका
- गायथ - गाती हो

PUNA

पाठ का परिचय

- परस्पर बातें करते समय सुननेवाला व्यक्ति मध्यमपुरुष कहलाता है।
- पुल्लिग, स्त्रीलिंग तथा नपुसकलिंग तीनों में मध्यम पुरुष एकवचन के लिए त्वम (तुम), द्विवचन के लिए युवाम (तुम दो) तथा बहुवचन के लिए यूयम (तुम सब) का प्रयोग होता है। तीनों लिंगों के क्रिया समान होती है।

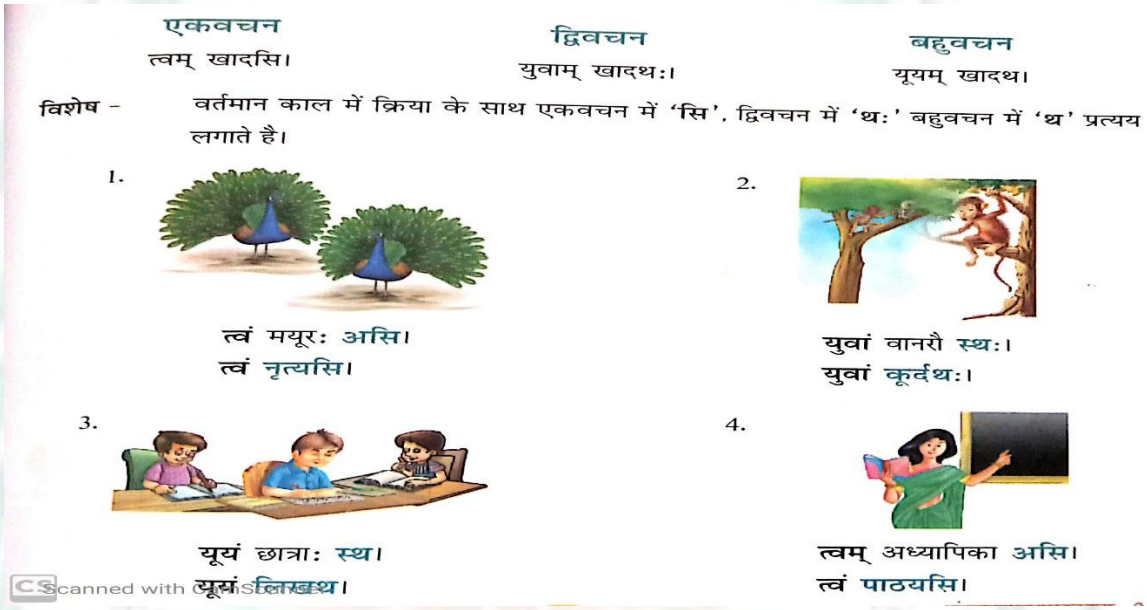

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
त्वम् खादसि।	युवाम् खादथः।	यूयम् खादथ।

विशेष – वर्तमान काल में क्रिया के साथ एकवचन में 'सि', द्विवचन में 'थः' बहुवचन में 'थ' प्रत्यय लगाते है।

1. त्वं मयूरः असि।
त्वं नृत्यसि।

2. युवां वानरौ स्थः।
युवां कूर्दथः।

3. यूयं छात्राः स्थ।
यूयं लिखथ।

4. त्वम् अध्यापिका असि।
त्वं पाठयसि।

Scanned with CamScanner

अभ्यासकार्यम

प्र-1 प्रदतेषु कर्तृपदेषु उचित कर्तृपदेषु रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- -------- गच्छथः। (त्वम, युवाम, यूयम)

2- ------- स्थः। (युवाम, त्वम)

3- ------- बालिका स्थः। (यूयम, युवाम)

4- ------- नायिके स्थः। (त्वम, युवाम)

5- ------- सैनिकौ स्थः। (यूयम, युवाम)

6- ------- पुस्तकम असि। (त्वम, युवाम)

7- ------- महिला स्थः। (त्वम, युयम)

8- ------- सत्यं वदसि। (त्वम, युवाम)

9- ------- गीतं गायथ। (यूयम, युवाम)

10- ------- पाठं पाठयसि। (त्वम, युवाम)

प्र-2 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं 'आम' अशुद्धं 'न' लिखत।

1- त्वं बालिका स्थः। (न)

2- युवां छात्रौ असि। (न)

3- यूयम सैनिकाः स्थ। (आम)

4- त्वं गायिका असि। (आम)

5- युवां कन्ये स्थः। (आम)

6- यूयं अध्यापिकाः स्थ। (आम)

7- त्वं मयूरः स्थः। (न)

8- युवां सिंहौ असि। (न)

9- यूयम काकाः स्थः। (न)

10- त्वम धावकः असि। (न)

प्र-3 अधोलिखितेन कर्तुपदेन क्रियापदं मेलयत-

कर्तुपदानि	क्रियापदानि
1- त्वम	स्थः
2- युवाम	असि
3- यूयम	पठसि
4- त्वं नायिका	स्थ
5- युवां क्रीडकौ	गच्छथ
6- यूयं सेवकाः	वदथः

प्रवृत्ति

- चित्रम रचयत। (मयूरौ)

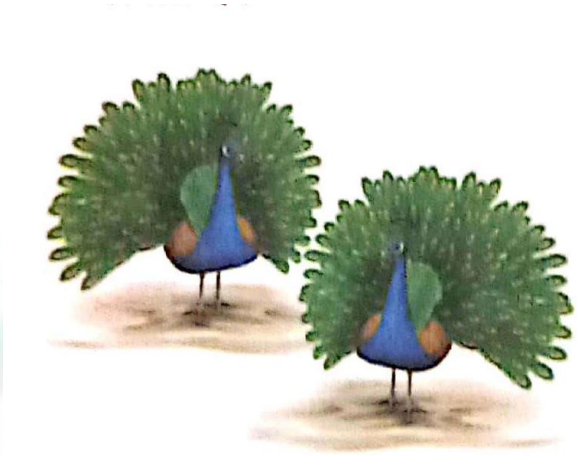

नवमःपाठः

'उत्तम-पुरुषः' तीनों लिंगों में

शब्दार्थाः

- अहम - मैं
- आवाम - हम दो
- अस्मि - हूँ
- स्वः - है
- वयम - हम सब
- गायकः - गायक
- अजाः - बकरियाँ
- पाठयावः - पढ़ाती है

- गायावः - गाते हैं
- कूर्दामः - कूदते हैं
- स्मः - हैं
- उत्पतामः - उड़ते हैं
- यच्छामि - देता हूँ
- खगाः - पक्षी
- पचामी - पकाती हूँ
- यच्छामि - देती हूँ

पाठ का परिचय

- बोलने वाला उत्तम पुरुष होता है। उत्तम पुरुष में तीनों लिंगों के लिए एकवचन में अहम ,द्विवचन में आवाम तथा बहुवचन में वयम का प्रयोग होता है।
- तीनों लिंगों के लिए क्रिया समान होती है। जैसे-

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
अहम् लिखामि	आवाम् लिखावः	वयम् लिखामः

विशेष - वर्तमान काल (लट् लकार) में किसी भी क्रिया के साथ एकवचन में 'आमि' द्विव
'आवः' तथा बहुवचन में 'आमः' प्रत्यय जोड़कर क्रियापद बनाते हैं—

जैसे— पठ् + आमि = पठामि
पठ् + आवः = पठावः
पठ् + आमः = पठामः

अहं गायकः अस्मि।
अहं गायामि।

आवां मृगौ स्वः।
आवां भ्रमावः।

Scanned with CamScanner

वयं खगाः स्मः।
वयं उत्पतामः।

अहं महिला अस्मि।
अहं भोजनं पचामि।

आवां कोकिले स्वः
आवां गायावः।

वयं अजाः स्मः।
वयं धावामः।

अहं सूर्यः अस्मि।
अहं प्रकाशं यच्छामि।

Scanned with CamScanner

आवां मित्रे स्वः।
आवां वदावः।

अभ्यासकार्यम

प्र-1 प्रदतेषु कर्तृपदेषु उचित कर्तृपदेषु रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- -------- शुकौ स्वः। (आवाम, वयम)

2- ------- देशभक्ताः स्मः। (वयम, अहम)

3- ------- मयूरः अस्मि। (अहम, आवाम)

4- ------- मित्राणि स्मः। (अहम, आवाम, वयम)

5- ------- कोकिले स्वः। (आवाम, अहम)

6- ------- अध्यापकः अस्मि। (अहम, वयम)

7- ------- पादपौ स्वः। (आवाम, वयम)

8- ------- चित्रकाराः स्मः। (वयम, आवाम)

प्र-2 अधोलिखितानि वाक्यानि शुद्धं कुरुत।

1- आवां खादामः। - आवां खादावः।

2- वयं सैनिकाः स्वः। - वयं सैनिकाः स्मः।

3- अहं कविता स्मः । - अहं कविता अस्मिः।

4- आवां गीतं गायामः। - आवां गीतं गायावः।

5- अहं पत्रं लिखावः। - अहं पत्रं लिखामि।

6- वयं छात्राः अस्मि। - वयं छात्राः स्मः।

प्र-3 उचित कियापदेन रिक्तस्थानानि पूरयत-

1- आवां फ्लानि -------- । (खादामि, खादावः)

2- वयं -------। (लिखामि, लिखामः)

3- अहम -------। (गायावः, गायामि)

4- आवां बकौ-------। (स्वः, स्मः)

5- अहं रमा -------। (अस्मि, स्वः)

6- आवां गायिके -------। (स्वः, स्मः)

7- वयं मयूराः -------। (स्मः, अस्मि)

8- अहं -------। (धावामि, धावामः)

प्रवृत्ति

- स्व परिचय लिखत। (पञ्च)